इकाई–5

मानव संसाधन

सुबह होते ही पूजा की नजर आज के अखबार पर पड़ी जिस पर मोटे मोटे अक्षरों मे लिखा था भारत की जनसंख्या "एक अरब के पार"। उस पर बहुत से आँकड़े लिखे थे परन्तु पूजा की समझ में बहुत बातें नहीं आईं। वह अखबार लेकर दादाजी के पास पहुँची और बोली – दादाजी यह जनसंख्या क्या होती है? दादाजी ने पूजा को अपने पास बैठाया और कहा "**किसी निश्चित क्षेत्र में रहनेवाले लोगों की कुल संख्या जनसंख्या कहलाती है।**"

पूजा ने पूछा दादाजी आखिर हम इसकी गिनती क्यों करते हैं ?

दादाजी ने कहा – देखो बेटा, मानव एक महत्वपूर्ण संसाधन है। हमारा देश मानव संसाधन की दृष्टि से सम्पन्न है क्योंकि यहाँ की आबादी अत्यधिक है। हम इसकी गिनती इसलिए करते हैं क्योंकि इनकी संख्या के हिसाब से हम इनके विकास की योजना बना सकें तथा मानव को संसाधन के रूप में विकसित कर सकें।

चित्र : 5.1
जनसंख्या समूह

पूजा ने बीच में टोका – दादाजी मानव को संसाधन क्यों कहते हैं ?

दादाजी ने कहा – क्योंकि मानव ने अपने मस्तिष्क, प्रौद्योगिकी एवं श्रमशक्ति का उपयोग कर उपलब्ध साधनों को उपयोगी बनाया है। इसने अनेक कठिन एवं अविश्वसनीय कार्य संपादित किया है। मानव ने पृथ्वी को तो अपने अनुकूल बनाया ही है, इसने अंतरिक्ष तथा विभिन्न ग्रहों तक पहुँच को संभव बनाया है। मानव को इन गुणों के कारण ही संसाधन की श्रेणी में रखा गया है। मानव संसाधन का बेहतर उपयोग हो इसके लिए आवश्यक है कि इसे अच्छी तरह से विकसित, शिक्षित तथा प्रशिक्षित किया जाए ताकि विकसित, उन्नत समाज एवं राष्ट्र निर्माण में मानव अपना बेहतर योगदान दे सके।

जनगणना एक निश्चित अवधि में जनसंख्या की अधिकारिक गणना का नाम है। भारत में सर्वप्रथम 1872 ई. में जनगणना की गई। परन्तु व्यवस्थित जनगणना 1881 ई. में शुरू की गई। जनगणना प्रत्येक 10 वर्षों में की जाती है।

पूजा ने कहा लेकिन दादाजी अब तो आबादी का ज्यादा से ज्यादा काम मशीनों से चल रहा

हैं। फिर मानव को इतनी प्रमुखता क्यों ?

दादाजी ने समझाया - यह सही है कि वर्तमान समय में मशीनों का निर्माण एवं उपयोग बढ़ा है। मानव की इस पर निर्भरता भी बढ़ी है परन्तु मशीनों को बनाने, निर्बाधगति से चलाने के लिए मानव द्वारा निर्मित तकनीक एवं स्वयं मानव को ही आवश्यकता पड़ती है। इस प्रकार, मानव एक महत्वपूर्ण संसाधन बन जाता है। मानव संसाधन को जनसंख्या के रूप में गिना जाता है।

जनगणना से जुड़े रोचक तथ्य

- देश के कुछ जनजातियों या समुदाय की गणना रात में की जाती है क्योंकि दिन में इनका एक ठिकाना नहीं होता।
- अंडमान निकोबार द्वीप समूह जैसे इलाकों में कुछ ऐसी जनजाति हैं जो बाहरी लोगों से मेल जोल नहीं रखती है और इनसे संपर्क भी प्रतिबंधित है। इनकी जनगणना के लिए द्वीप के चारों तरफ नाव के जरिए कागज और नारियल जैसे सामान फेंके जाते हैं। उनसे आकर्षित होकर जब वे पानी की तरफ आते हैं तभी जनगणना होती है।

मानव संसाधन का वितरण

पूजा ने दादाजी से पूछा दादाजी, क्या सभी जगह की जनसंख्या समान होती है। दादाजी ने हँसते हुए कहा - नहीं, ऐसा नहीं है। जनसंख्या सभी जगह एक समान न होकर अलग-अलग होती है। भारत में जनगणना संबंधी आँकड़ों को रजिस्ट्रार जनरल, भारत सरकार के पास भेजा जाता है। वहीं से ये आँकड़े जारी किए जाते हैं।

पूजा बोली - दादाजी इन आँकड़ों का संग्रह तो बड़ा कठिन कार्य है !

दादाजी ने अखबार में लिखे आँकड़ों को दिखाते हुए कहा - देखो, वर्ष 2011 में सम्पन्न जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या 1,21,0193422 है, जिसमें 623724248 पुरूष एवं 586469174 महिलायें हैं जबकि वर्ष 2001 में यह संख्या 1028737436 थी। इसमें 532223090 पुरूष एवं 49651436 महिलायें थीं। देश में सर्वाधिक जनसंख्या उत्तर प्रदेश में निवास करती है। यहाँ 19.95 करोड़ लोग रहते हैं। दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र है जहाँ 11.21 करोड़ लोग निवास करते हैं। सबसे कम आबादी वाला राज्य सिक्किम है। यहाँ 6.07 लाख लोग निवास करते हैं। केन्द्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक आबादी चंडीगढ़ की है जहाँ 1054686 लोग रहते हैं तथा सबसे कम आबादी लक्षद्वीप की है जहाँ 64,429 लोग रहते हैं। थोड़ी चुप्पी के बाद दादाजी पुनः बोले आबादी की दृष्टि से भारत पूरे विश्व में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। यहाँ विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% निवास करती है। भारत में जनसंख्या वृद्धि की दर 25.07% है वर्ष 2001 से 2011 के बीच भारत की

© BSTBPC WEBCOPY - NOT TO BE PUBLISHED

जनसंख्या में लगभग 18.1 करोड़ की वृद्धि हुई है । परन्तु संतोष की बात यह है कि पिछले दशक में हुई जनसंख्या वृद्धि की दर से 3.90% में कमी दर्ज की गई है ।

उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र की जनसंख्या का योग कुल अमेरिका की जनसंख्या से अधिक है ।

विश्व के पाँच सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश

देश	विश्व की जनसंख्या का प्रतिशत
चीन	19.4
भारत	17.5
संयुक्त राज्य अमेरिका	4.5
इंडोनेशिया	3.8
ब्राजील	2.8

दादाजी ने भारत का नक्शा दिखाते हुए कहा – पूजा संकेतक देखकर बताओ तो सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य कौन कौन से हैं ?

पूजा ने ढूँढ कर बताया – उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं आंध्रप्रदेश ।

दादाजी ने कहा वहुत अच्छा, भारत की कुल आबादी की आधी संख्या इन्हीं पाँच राज्यों में रहती है ।

भारत के 10 सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य

राज्य	जनसंख्या	राज्य	जनसंख्या
(1) उत्तरप्रदेश	199581477	(6) मध्यप्रदेश	72597565
(2) महाराष्ट्र	112372972	(7) तमिलनाडु	72138958
(3) बिहार	103804637	(8) राजस्थान	69621012
(4) पं० बंगाल	91347736	(9) कर्नाटक	61130704
(5) आंध्रप्रदेश	84665533	(10) गुजरात	60383628

स्रोत census India 2011.

घनत्व के आधार पर जनसंख्या का वितरण

पूजा ने कहा – दादाजी, हमारे देश के सभी राज्य का आकार तो समान नहीं है फिर क्या सभी जगह लोगों को जनसंख्या ऐसी ही है ?

दादाजी ने कहा नहीं ऐसी वात नहीं है । हमारे देश में जनसंख्या के घनत्व का वितरण असमान है चूँकि मैदानी क्षेत्रों में अच्छी वर्षा तथा सिंचाई के अलावा जीवन जीना पहाड़ी भाग की अपेक्षा आसान है इसलिए जनसुविधायें आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। अतएव, वहां ज्यादा लोग

निवास करते हैं।

पूजा ने पूछा - दादाजी, चूँकि सवाल का जवाब नहीं दिया गया है इसलिए इसे गिन देना चाहिए। 2011 ई० की जनगणना के अनुसार भारत में प्रतिवर्ग किलोमीटर कितने लोग रहते हैं ?

दादाजी ने बताया - 382 (तीन सौ बयासी) परन्तु वर्ष 2001 में यह जनसंख्या 324 (तीन सौ चौबीस) थी। घनत्व की दृष्टि से बिहार प्रथम स्थान पर है जहाँ प्रतिवर्ग किलोमीटर (km^2)में 1102 लोग रहते हैं जबकि पश्चिम बंगाल दूसरे स्थान पर है। वहाँ प्रति वर्ग किलोमीटर 1029 लोग निवास करते हैं। उत्तर प्रदेश का जनघनत्व 828 है।

राज्य का नाम	घनत्व
बिहार	1102
पं० बंगाल	1029
केरल	859
उ० प्र०	828
हरियाणा	573
तमिलनाडु	555

पूजा ने पुनः पूछा - क्या गाँव एवं शहर दोनों में लोग समान रूप से रहते हैं ?

दादाजी बोले - नहीं, हमारी ज्यादा आबादी गाँवों में रहती है परन्तु हाल के वर्षों में नगरीय जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। बेहतर शिक्षा एवं चिकित्सा सुविधा, रोजगार के अत्यधिक अवसर, सुरक्षा की भावना इत्यादि के कारण लोग नगरों की ओर आकर्षित हुए हैं जिसके कारण नगरीय जनसंख्या में वृद्धि हुई है यही कारण है कि कस्बे नगर में तथा नगर महानगर में बदलते गये हैं फलतः जनसंख्या घनत्व में भी वृद्धि हुई है। सबसे कम जनसंख्या घनत्व अरूणाचल प्रदेश का है जहाँ 17 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। मिजोरम में 52 एवं सिक्किम में 86 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर निवास करते हैं।

बिहार का सर्वाधिक घनत्व वाला जिला शिवहर तथा सबसे कम घनत्व वाला जिला कैमूर है। यहाँ क्रमशः 1882 एवं 488 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर निवास करते हैं।

पूजा ने पूछा - पर्वतीय क्षेत्रों में तो कम लोग रहते होंगे ?

दादाजी बोले - बिल्कुल ठीक, उत्तराखण्ड, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश एवं उत्तर-पूर्वी राज्यों में जनसंख्या घनत्व विरल पाया जाता है क्योंकि यहाँ का अधिकांश भू-भाग पर्वतीय है। आवागमन में भारी असुविधा, कँटे-छँटे पहाड़ी एवं पथरीले भू-भाग, सिंचाई का अभाव तथा कम उपजाऊ मिट्टी के कारण यहाँ जनघनत्व कम है।

सर्वाधिक घनी आबादी गंगा के मध्यवर्ती मैदानी भाग (बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल के डेल्टा प्रदेश व केरल के तटीय मैदानी भाग में मिलती है क्योंकि वहाँ समतल मैदान एवं उपजाऊ मिट्टी है

तथा वर्षा भी पर्याप्त मात्रा में होती है ।

पूजा ने पूछा – क्या हम जनगणना प्रति वर्ष करते हैं ?

दादाजी ने कहा – नहीं। हमारे देश में प्रत्येक 10 वर्ष पर जनगणना होती है तथा इसके आँकड़े प्रकाशित कर इनका उपयोग विभिन्न योजना निर्माण में किया जाता है ।

विभिन्न दशकीय वर्षों में जनसंख्या वृद्धि

दादाजी ने तालिका दिखाकर पूछा बताओ, इससे क्या पता चलता है ?

पूजा ने तालिका को गौर से देखा और बताया कि भारत की जनसंख्या लगातार बढ़ रही है ।

दादाजी ने कहा लेकिन धीरे धीरे वृद्धि दर में कमी आ रही है और यह जनादर नियंत्रण हेतु किये जा रहे प्रयासों का परिणाम है । अगर भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो वर्ष 2030 तक हमारी आबादी एक अरब चालीस करोड़ के पार होगी तथा हमारी जनसंख्या चीन की जनसंख्या से अधिक होगी ।

विभिन्न जनगणना वर्षों में जनसंख्या

जनगणना वर्ष	जनसंख्या (करोड़ में)
1901	23.84
1911	25.20
1921	25.13
1931	27.87
1941	31.86
1951	36.10
1961	43.92
1971	54.81
1981	68.33
1991	84.64
2001	104.27
2011	121.01

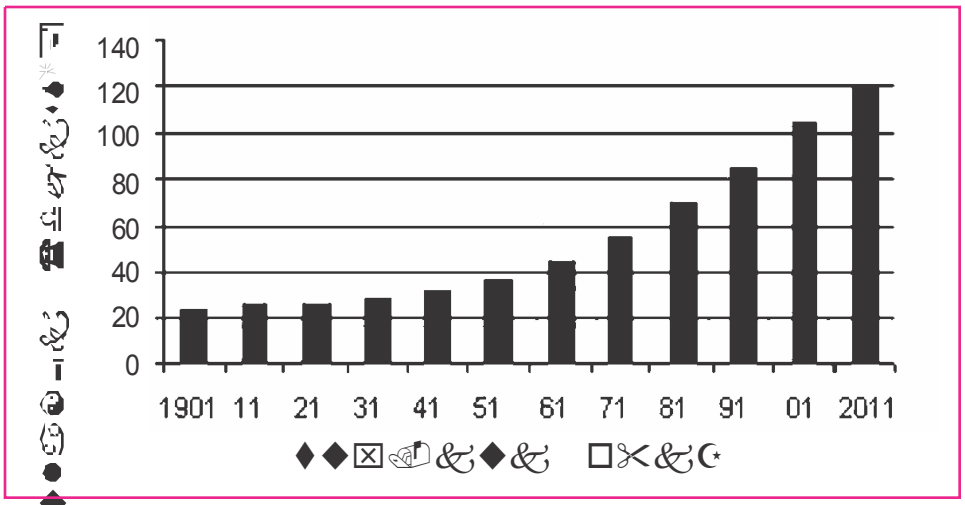

चित्र 5.3 : भारत में जनसंख्या वृद्धि का दंडारेख

जनसंख्या परिवर्तन

पूजा ने पूछा – दादाजी, हमें तो हमेशा शहरों में नए नक्शे बनते नजर आते हैं। नए-नए लोग भी उसमें आकर रहने लगते हैं। ऐसा क्यों ?

दादाजी बोले – देखो, प्रायः ऐसा देखा जाता है कि जनसंख्या में हमेशा परिवर्तन होता रहता है। ऐसा मुख्यतः तीन कारणों से होता है –

- जन्म दर
- मृत्यु दर
- प्रवास

जन्मदर प्रतिहजार व्यक्तियों में जितने बच्चों का जन्म होता है उसे जन्मदर कहते हैं। वर्तमान जन्मदर 20.97 है।
मृत्युदर प्रति एक हजार व्यक्तियों में जितने व्यक्ति मर जाते हैं उसे मृत्यु दर कहते हैं। वर्तमान मृत्युदर 17.57 है।)

जन्मदर एवं मृत्युदर के बीच अंतर होने से जनसंख्या में वृद्धि या कमी होती है। यह जनसंख्या का प्राकृतिक परिवर्तन है जबकि कई कारणों से जनसंख्या का दूसरी जगह जा कर बस जाना प्रवास की श्रेणी में आता है। भारत में जनसंख्या वृद्धि का एक प्रमुख कारक जन्मदर रहा है क्योंकि वह हमेशा मृत्यु दर से अधिक रहा है। बढ़ती स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण मृत्यु दर में भी तेज गिरावट आई है जिसके कारण जनसंख्या वृद्धि हुई है।

पूजा ने पूछा – आखिर लोग शहरों में आकर क्यों बस रहे हैं ?

दादाजी ने कहा – विभिन्न कारणों से। चाहे शिक्षा प्राप्ति हो या स्वास्थ्य सुविधाएँ, रोजगार के अवसर की अधिकता या आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धि। इन सबने मानव को एक स्थान से आकर दूसरे स्थान पर बसने के लिए प्रेरित किया है। देश के अंदर कहीं भी जाकर बसने से देश की जनसंख्या पर प्रभाव तो नहीं पड़ता परन्तु उस क्षेत्र विशेष की जनसंख्या पर प्रभाव पड़ता है जैसे – दिल्ली में औद्योगिक विकास के कारण बिहार एवं उत्तरप्रदेश के बहुत से लोग वहीं प्रवास कर रहे हैं जिससे दिल्ली व अन्य नगरों की जनसंख्या काफी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों से लोग आकर शहरों में बस रहे हैं जिससे शहरी आबादी बढ़ रही है फलतः शहरों, नगरों एवं महानगरों की संख्या में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है।

लिंग अनुपात

प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या "लिंगानुपात" कहलाता है।

पूजा ने अखबार दिखाकर कहा – दादाजी, इसमें तो बहुत सारे चित्र पुरुष एवं महिलाओं के बने हैं। ऐसा क्यों ?

दादाजी बोले – इस चित्र में महिलाओं की संख्या दिखलाई गई है। इससे यह पता लगता है कि 1000 (एक हजार) पुरुषों पर महिलाओं की संख्या कितनी है ? वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में प्रति 1000 पुरुष पर 940 महिलायें हैं। सबसे अधिक लिंगानुपात केरल में है यहाँ

1000 पुरुषों पर 1084 महिलायें हैं । हरियाणा में लिंगानुपात सबसे कम 877 है । इसी प्रकार शिशु लिंगानुपात मिजोरम में 971 मेघालय में 970, हरियाणा में 830 तथा दिल्ली में 866 है ।

बिहार में लिंगानुपात 916 है । यहाँ का सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला गोपालगंज है । सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला भागलपुर एवं मुंगेर है । इनसे संबंधित आँकड़ों को पता कीजिए ।

पूजा – दादाजी – तब तो हर जगह महिलाओं की संख्या पुरुषों के अनुपात में कम है ?

दादाजी बोले – हाँ । विगत वर्षों में महिलाओं की घटती संख्या गंभीर चिंता का विषय है । इसके मूल में कन्या भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति है । बढ़ती दहेज प्रथा भी एक कारक है । हमें इस प्रवृत्ति से बचने की जरूरत है । सरकार ने भी कानूनी रूप से कन्या भ्रूण हत्या को अपराध घोषित कर इसके लिए दंड का प्रावधान किया है ।

पूजा को सारी बातें बड़ी अच्छी लग रही थीं । उसने दादाजी से अगला सवाल किया दादाजी, इतनी बड़ी जनसंख्या में पढ़े लिखे लोग कितने हैं ।

दादाजी ने कहा – वर्ष 2011 की जनगणना में 7 वर्ष से ऊपर के व्यक्ति जो किसी भाषा में पढ़ लिख सकते हैं इन्हें साक्षर की श्रेणी में रखा गया है । भारत में 2011 में कुल साक्षरता दर 74.04% है । पुरुषों की साक्षरता दर 82.14% एवं महिलाओं की साक्षरता दर 65.46% है । वहीं लड़कियों में सर्वाधिक साक्षरता दर केरल में 91.98% है जब कि लड़कियों की सबसे कम साक्षरता राजस्थान में 52.66% है । बिहार में 73.39% पुरुष एवं 53.33% महिलाएँ साक्षर हैं ।

भारत में सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य केरल है । बिहारी में साक्षरता दर 64% है जबकि बिहार में सर्वाधिक साक्षरता रोहतास में 75.59% एवं सबसे कम साक्षरता पूर्णिया में 62.49% है ।

पूजा बोली – दादाजी, तब तो अभी बहुत लोगों को शिक्षित करना पड़ेगा ?

दादाजी ने कहा – हाँ बेटे । एक शिक्षित एवं जागरूक व्यक्ति बेहतर समाज का निर्माण कर सकता है । अतएव गुणवत्ता मानव संसाधन का एक प्रमुख पक्ष है जो शिक्षा से ही संभव हो सकता है । यही वह माध्यम है जिससे व्यक्ति में तकनीक का विकास होता है तथा विभिन्न साधनों को वह उपयोगी संसाधन में तो बदलता ही है स्वयं की उपयोगिता भी सावित करता है ।

अभ्यास के प्रश्न

(1) बहुवैकल्पिक प्रश्न :

सही विकल्प को चुनें ।

(i) जनगणना की जाती है –

(क) प्रत्येक 20 वर्ष पर
(ख) प्रत्येक 10 वर्ष पर
(ग) प्रत्येक 5 वर्ष पर
(घ) प्रत्येक 2 वर्ष पर

(ii) मानव एक संसाधन है क्योंकि

(क) आवश्यकता पूर्ति के लिए तकनीक का प्रयोग करता है ।
(ख) अन्य सामग्रियों को संसाधन के रूप में परिणत करता है ।
(ग) मस्तिष्क का प्रयोग कर अन्य संसाधनों को उपयोगी बनाता है
(घ) उपर्युक्त सभी

(iii) भारत में सर्वाधिक जनसंख्या है ।

(क) पश्चिम बंगाल की
(ख) बिहार की
(ग) उत्तर प्रदेश की
(घ) महाराष्ट्र की

(iv) भारत जनसंख्या के दृष्टिकोण से विश्व में है –

(क) तृतीय स्थान पर
(ख) चौथे स्थान पर
(ग) प्रथम स्थान पर
(घ) दूसरे स्थान पर

(v) पहाड़ी भागों में जनसंख्या कम होती है क्योंकि

(क) वहाँ काफी गर्मी है
(ख) जीवन यापन कठिन होता है
(ग) मृत्यु दर अधिक है
(घ) लोग वहाँ रहना नहीं चाहते हैं

© BSTBC NOT TO BE PUBLISHED

(2) निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) मानव एक महत्वपूर्ण संसाधन है। कैसे?

(ख) जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कौन-कौन से कारक हैं ?

(ग) जनसंख्या परिवर्तन किन किन कारकों पर निर्भर करता है ?

(घ) घटती महिला लिंगानुपात के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

(ङ) मैदानी भागों में जनघनत्व अधिक पाया जाता है। क्यों ?

(च) वर्ष 2030 ई० तक हमारी जनसंख्या चीन से अधिक होगी। ऐसा क्यों होगा ? सोचकर लिखिए।

(छ) पर्वतीय क्षेत्र में जनघनत्व कम पाया जाता है। क्यों ?

कुछ करने को

(क) भारत के मानचित्र में सर्वाधिक जनसंख्या एवं कम जनसंख्या वाले राज्यों को विभिन्न संकेतों द्वारा अंकित कीजिए।

(ख) अपने वार्ड की कुल जनसंख्या पता करें उसमें 6-14 वर्ष उम्र के बच्चों की संख्या बताओ तथा लड़के लड़कियों की संख्या पता करो।

पता कीजिए –

(क) अपने दादा दादी, नाना नानी, माता पिता से वर्तमान निवास पर एवं बसने के कारणों का पता कीजिए एवं लिखकर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

विचार मंथन

— यदि लड़कियों की संख्या इसी अनुपात में घटती रही है तो भविष्य का समाज कैसा होगा ?

— कन्या विहीन समाज कैसा होगा ?

— हरियाणा में विवाह संबंधी कैसी समस्याएँ आ रही हैं ?

— देश की जनसंख्या लगातार बढ़ती रही तो भारत के विकास पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा ?